# पाठ 9
# विवेकानन्द

पावनभूमि भारत के कोलकाता (पश्चिम बंगाल) में 12 जनवरी 1863ई. को महासंक्रान्ति के पर्व पर दत्ता परिवार में एक बालक का जन्म हुआ।

बालक नरेन्द्र की माँ भुवनेश्वरी धर्मपरायण और शालीन महिला थीं। रामायण और महाभारत उनके प्रिय ग्रंथ थे। इसका प्रभाव बालक नरेन्द्र पर भी पड़ा।

नरेन्द्र ने खेलकूद तथा अन्य विषयों में भी रुचि दिखाई, उन्होंने एक नाटक कम्पनी और व्यायाम शाला गठित की थी। नरेन्द्र तलवार चलाने, कुश्ती लड़ने व नाव चलाने में भी बहुत कुशल थे। पठन-पाठन व संगीत में भी उनकी बहुत दिलचस्पी थी।

नरेन्द्र ने 1878 में हाईस्कूल परीक्षा प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की। वे कोलकाता के प्रेसीडेन्सी कॉलेज में, फिरस्कॉटिश मिशनरी बोर्ड के एक कॉलेज में दाखिल हुए ! इस कॉलेज के प्रिंसिपल हेस्ती भारतीय दर्शन के प्रेमी थे। वे अपने विद्यार्थियों पर बहुत स्नेह रखते थे। कक्षा में पढ़ाते हुए उन्होंने एक दिन कहा....

नरेन्द्र की उत्सुकता जागृत हुई। एकांत में चिंतन मनन करने का उनका स्वभाव बचपन से ही था, पर वे किसी प्रत्यक्ष प्रमाण के बिना ईश्वर की सत्ता स्वीकार करने को तैयार नहीं थे। उन दिनों कोलकाता में ब्रह्म समाज की बड़ी चर्चा थी। वे ब्रह्मसमाज के महर्षि देवेन्द्रनाथ ठाकुर से जाकर मिले और उनसे प्रश्न किया

इस उत्तर से संतुष्ट न होकर वे गंगातट पर स्थित काली के सुप्रसिद्ध मंदिर दक्षिणेश्वर में श्रीरामकृष्ण परमहंस के पास जा पहुँचे।

इस उत्तर से नरेन्द्र स्तब्ध रह गए । स्वामी रामकृष्ण परमहंस ने कहा ......

महान गुरु ने शिष्य को और शिष्य ने अपने गुरु को पहचाना। इस प्रकार श्री रामकृष्ण परमहंस के सम्पर्क में नरेन्द्रनाथ की सभी शंकाएँ मिटती चली गई और उन्होंने अपने-आपको गुरु की आज्ञानुसार कार्य के लिए तैयार किया।

सन् 1884 ई. में नरेन्द्रनाथ बी.ए. की तैयारी कर रहे थे तभी अचानक उनके पिता की मृत्यु हो गई। उन्होंने मन ही मन संकल्प लिया –

पिता अपने पीछे कर्ज छोड़ गए थे। नरेन्द्रनाथ पढ़ाई के साथ-साथ नौकरी की खोज में भटकने लगे। एक बार गुरु रामकृष्ण परमहंस से उन्होंने कहा ............

नरेन्द्र मंदिर के अन्दर गए, लेकिन माँ के ध्यान में इतने डूब गए कि सुध ही न रही।

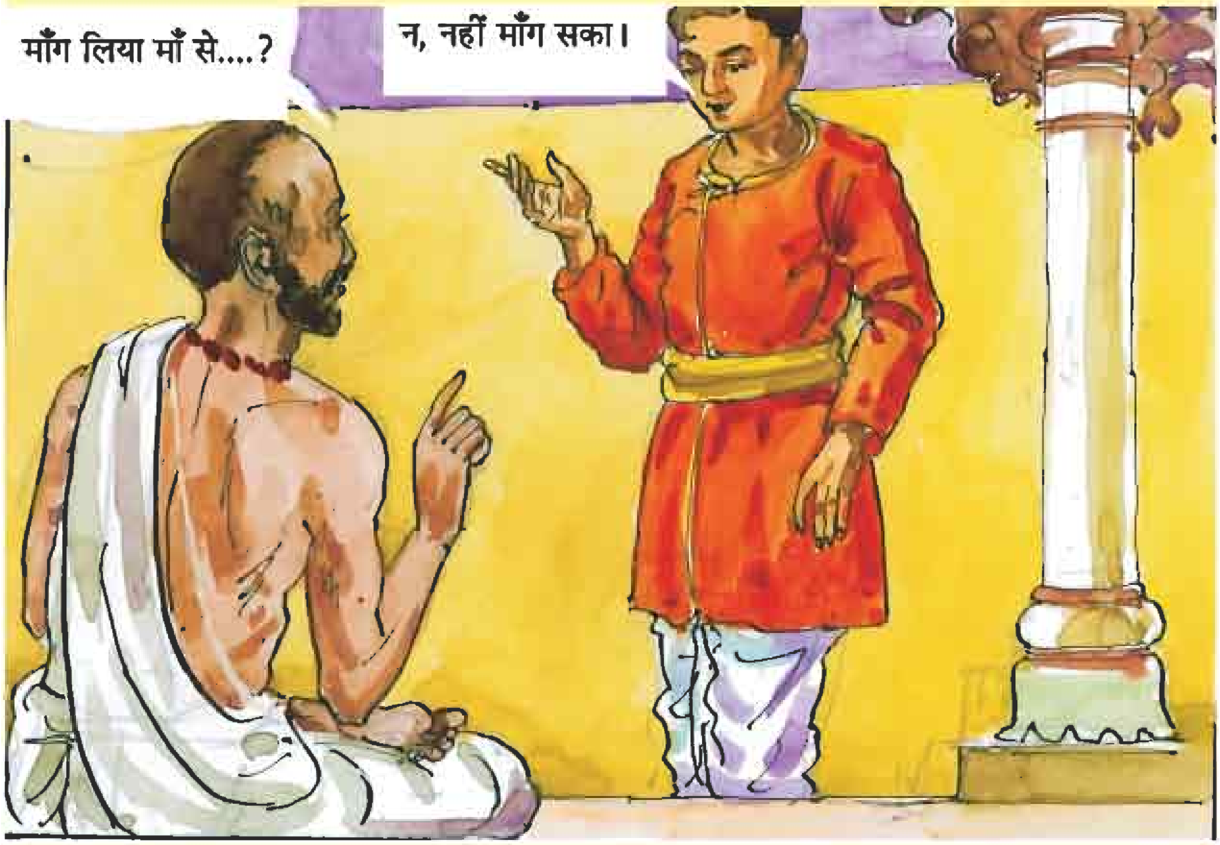


रामकृष्ण परमहंस, जो वास्तव में शिष्य की परीक्षा ले रहे थे। उन्होंने आशीर्वाद दिया। इसके बाद नरेन्द्रनाथ को एक नौकरी मिल गई। सन् 1886 में रामकृष्ण परमहंस ने समाधि से तीन दिन पूर्व नरेन्द्रनाथ को यह कहते हुए उत्तराधिकारी बनाया।

सन् 1888 ई. में अपने गुरु की शिक्षा का प्रचार-प्रसार करने के लिए उन्होंने भारत-भ्रमण किया। सन् 1892 ई. में दक्षिण भारत का भ्रमण किया और कन्याकुमारी पहुँचे। उन्होंने यहाँ के मंदिर में देवी दर्शन किए और समुद्र की एक चट्टान पर तपस्या में लीन हो गए। यहाँ उन्हें दिव्य अनुभुति हुई और उन्होंने देश सेवा का प्रण लिया।

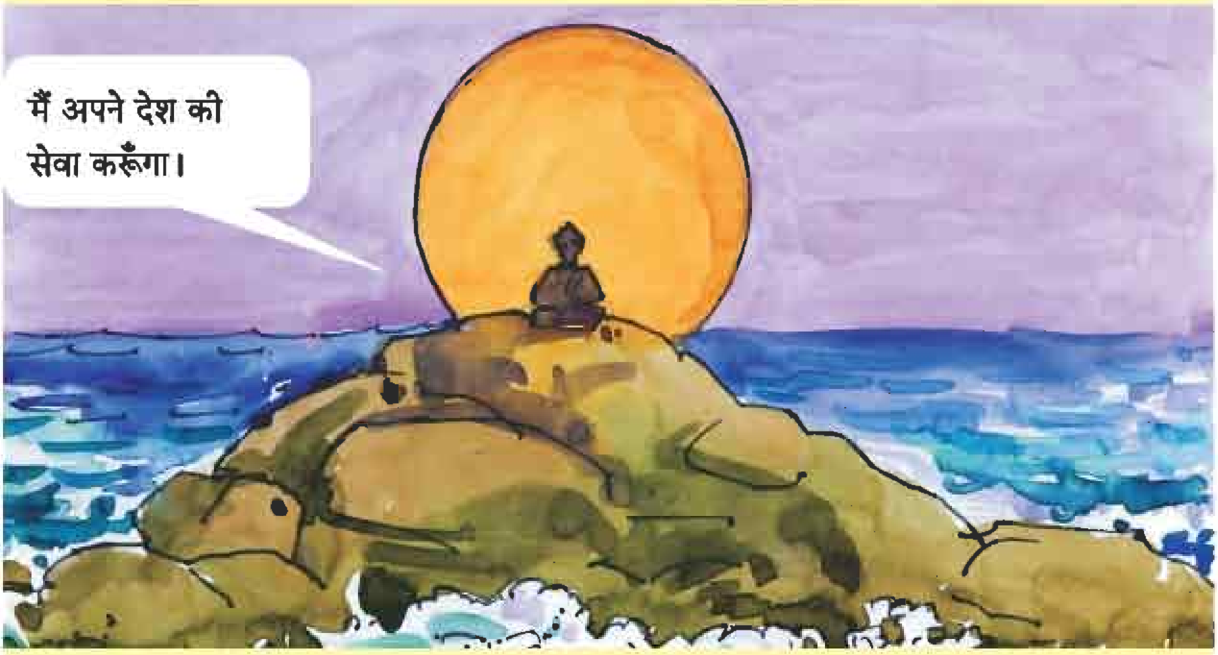


सन् 1893 ई. में वे अमेरिका गए। अमेरिका जाने के पूर्व उन्होंने अपना नाम विवेकानन्द रखा। 11 सितम्बर 1893 ई. को शिकागो में विश्वधर्म महासभा का अधिवेशन प्रारंभ हुआ। स्वामी विवेकानन्द भाषण देने खड़े हुए। अंग्रेजी परम्परा के अनुसार लेडीज और जेन्टलमेन न कहकर "डियर सिस्टर एण्ड ब्रदर" सम्बोधित किया।

स्वामीजी ने धर्म की व्यापकता और समन्वय पर प्रकाश डाला तो श्रोता स्तब्ध रह गए।

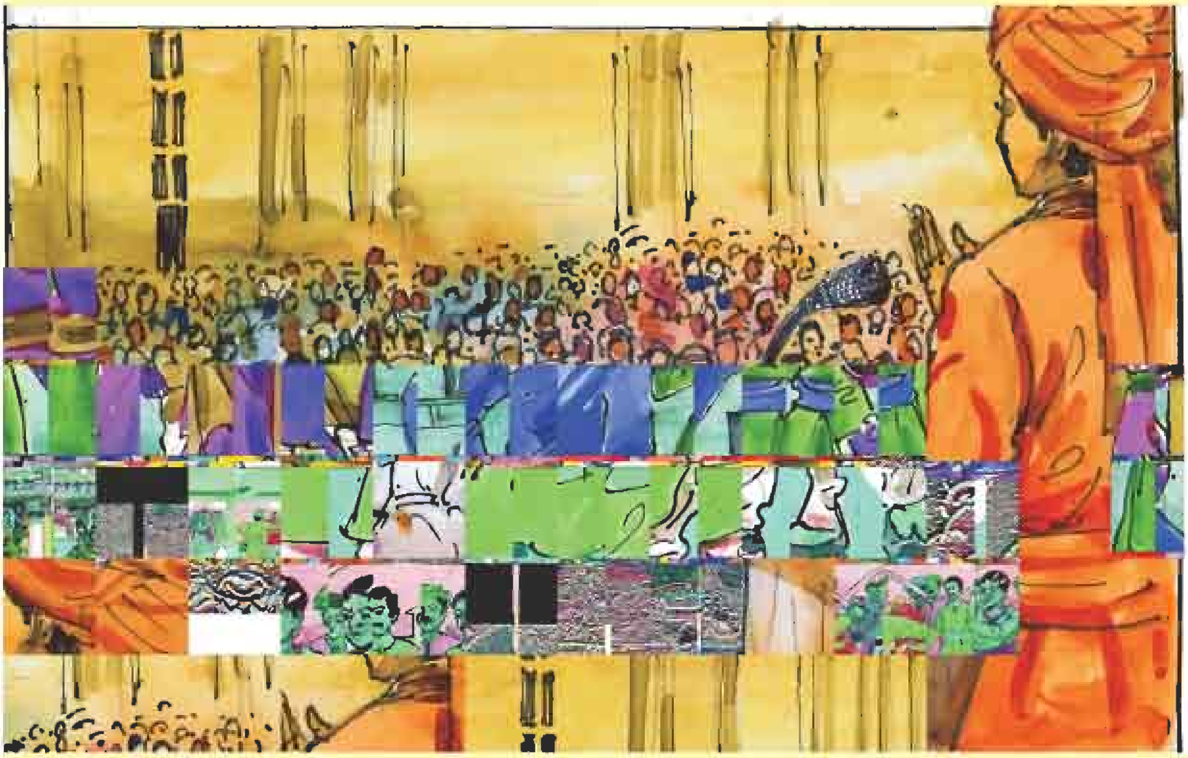

भारत में सेवाकार्य करने के लिए उनके सहयोगी बने 'अनेक अमेरिकी मित्र'। उनमें एक थीं। 'मार्गरेट ई नोबल', जो बाद में स्वामी जी की शिष्या बनीं और 'भगिनी निवेदिता' के नाम से विख्यात हुई।

कोलकाता में रहकर स्वामीजी ने सभी धर्मों को एक ही धर्म के विभिन्न रूप जानकर उनमें परस्पर भाई चारे की स्थापना के लक्ष्य की पूर्ति के लिए सराहनीय कार्य किए।

4 जुलाई सन् 1902 ई. को चालीस वर्ष से भी कम आयु में स्वामी विवेकानन्द ने अपना पार्थिव शरीर त्याग दिया।

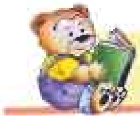

## नए शब्द

**पुनीत** = पवित्र। **समाधिस्थ** = ध्यान मग्न, समाधि में लीन। **प्रत्यक्ष** = जो आँखों के सामने है। **विख्यात** = प्रसिद्ध। **पथ प्रदर्शक** = राह दिखाने वाला। **कर्ज** = ऋण, उधार। **शंका** = संदेह। **यशस्वी** = कीर्तिवान। **शालीन** = लज्जाशील, विनम्र।

## अनुभव विस्तार

### 1. चित्रकथा से खोजकर बताइए :

**( क ) सही जोड़ियाँ बनाइए –**

| | | |
|---|---|---|
| विवेकानन्द के बचपन का नाम | – | मार्गरेट ई नोबेल |
| विवेकानन्द के गुरु का नाम | – | महर्षि देवेन्द्रनाथ ठाकुर |
| भगिनी निवेदिता का असली नाम | – | नरेन्द्र नाथ |
| ब्रह्म समाज | – | रामकृष्ण परमहंस |

**( ख ) रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए –**

1. विवेकानन्द जी के पिता कोलकाता हाईकोर्ट में .................................. थे।
2. बालक नरेन्द्र की आरम्भिक शिक्षा .................... पर हुई थी।
3. नरेन्द्र की माता का नाम ..............................था।
4. स्वामी विवेकानन्द के गुरु का नाम ............................ था।

### 2. अति लघु उत्तरीय प्रश्न :–

**निर्देश–निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर एक वाक्य में दीजिए –**

1. स्वामी विवेकानन्द बचपन में अपना समय कैसे बिताते थे?
2. विवेकानन्द जी के माता-पिता का नाम क्या था?
3. स्वामी विवेकानन्द को गुरु के दर्शन कैसे हुए?
4. विवेकानन्द ने अपना भाषण अमेरिका के किस शहर में दिया?

## 2. लघु उत्तरीय प्रश्न :-

निर्देश-निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

1. स्वामी विवेकानन्द का जन्म कब और कहाँ हुआ?
2. स्वामी विवेकानन्द को अपने प्रश्न का समाधान कैसे मिला?
3. स्वामी विवेकानन्द को रामकृष्ण परमहंस ने क्या कहकर अपना उत्तराधिकारी बनाया?
4. स्वामी विवेकानन्द को देश सेवा प्रेरणा कैसे मिली?

## भाषा की बात

**1. निम्नलिखित वाक्यों को पढ़िए और समझिए-**

- नरेन्द्रनाथ ने प्रथम श्रेणी में हाई स्कूल परीक्षा पास की।
  नरेन्द्रनाथ परमहंस के पास जाकर बैठ गए।
- वार सँभालो।
  आज कौन-सा वार है?
- वे विद्यार्थियों से बहुत स्नेह रखते थे।
  दिये का स्नेह खत्म हो गया।
- वे समाधि की अवस्था में बैठे रहते थे।
  स्वामी विवेकानन्द ने 40 वर्ष की अवस्था में ही शरीर त्याग दिया।
- श्रीराम कृष्णपरमहंस से अपने प्रश्न का उत्तर प्राप्त करने पहुँचे।
  हिमालय पर्वत उत्तर में स्थित है।

**ऊपर दिए गए रेखांकित शब्दों के अर्थ जानें-**

| | | | |
|---|---|---|---|
| 1. | पास | - | समीप, उत्तीर्ण |
| 2. | वार | - | प्रहार, दिन (जैसे सोमवार) |
| 3. | स्नेह | - | प्रेम, तेल |
| 4. | अवस्था | - | स्थिति, आयु |
| 5. | उत्तर | - | जवाब, एक दिशा |

यहाँ पास, वार, स्नेह, अवस्था तथा उत्तर के एक से अधिक दो–दो अर्थ निकलते हैं। इस तरह हिन्दी में अनेक ऐसे शब्द हैं, जिनके एक से अधिक अर्थ निकलते हैं तथा उनके भिन्न–भिन्न प्रयोगों से भिन्न–भिन्न अर्थ प्राप्त किए जाते हैं।

**जिन शब्दों के एक से अधिक अर्थ हो, उन्हें अनेकार्थी शब्द कहते हैं।**

**उदाहरण :**

| | | |
|---|---|---|
| पत्र | – | पत्ता, चिट्ठी |
| कर | – | हाथ, टैक्स |
| काल | – | समय, मृत्यु |

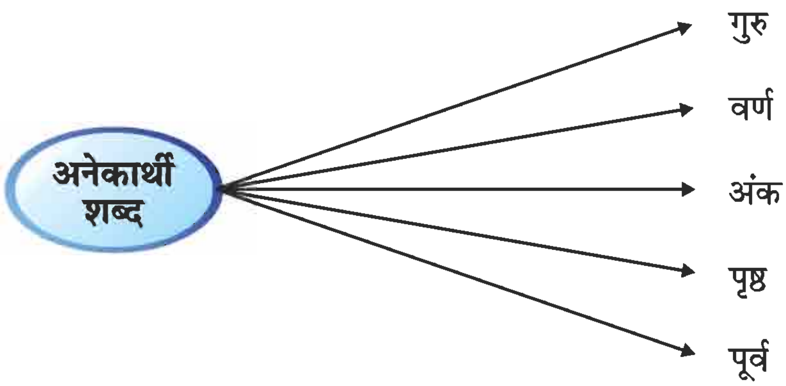


**प्रश्न निम्नांकित शब्दयुग्म में से विशेषण छाँटिए -**

| | | | |
|---|---|---|---|
| जैसे – | यशस्वी बालक | – | यशस्वी |
| | शालीन महिला | – | |
| | आरंभिक शिक्षा | – | |
| | सच्ची भक्ति | – | |
| | अंग्रेजी परम्परा | – | |

**प्रश्न रेखांकित शब्दों में 'योजक शब्द' के स्थान पर 'योजक चिह्न' लगाईए।**

- गंगा और यमुना ....................................
- पशु और पक्षी ....................................
- प्रकृति के प्रेमी ....................................
- कुंभ का मेला ....................................

## अब करने की बारी

1. स्वामी विवेकानन्द के समान अन्य महापुरुषों की भी चित्रकथाएँ खोजकर पढ़िए।
2. चित्रकथा में से अपनी पसंद का चित्र कार्डशीट पर बनाकर रंग भरिए।
3. विवेकानन्द के जीवन से जुड़ी कुछ घटनाओं एवं चित्रों का संकलन कीजिए।
4. इस चित्रकथा को नाट्य रूप में परिवर्तित कर मंचन कीजिए।

5. अपने घर का चित्र बनाइए –

0